



## What is Arya Samaj?

**Arya Samaj, founded by Maharshi Dayanand Saraswati, is an institution based on the Vedas for the welfare of universe. It propagates universal doctrines of humanity. It is neither a religion nor a sect.**

# ARYAN VOICE

YEAR 36

3/2014-15

MONTHLY

September 2014

- **Gayatri Maha Yajna on Sunday 7th September 2014 from 11am–1pm**  
(Please see page 26 for detailed information)
- **Vedic Vivah Mela (Matrimonial Get Together) Saturday 18<sup>th</sup> October - Register NOW for a place.**  
(See pages 24 for detailed information)
- **Diwali celebration on Saturday 8th November 2014. Starting at 6.30pm with Havan followed by classical dance, dinner and evening of Sangeet and Gazals.** (Please see page 27 for detailed information)

**ARYA SAMAJ (Vedic Mission) WEST MIDLANDS**

(Charity Registration No. 1156785)

**ERSKINE STREET, NECHELLS, BIRMINGHAM B7 4SA**

TEL: 0121 359 7727 E-mail- [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org) Website: [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)

## CONTENTS

How Shall We Offer Our Homage?	Krishan Chopra	3
अध्यात्म के शिखर पर-१२	आचार्य डॉ. उमेश यादव	5
वेद-कथा विवरण" अगस्त २०१४		7
Secretary's report for the AGM on 27 July 2014, held at Arya Samaj West Midlands	Dr A Sharma	12
Financial Statements for the year ended 310314		17
An appeal from the Chairman	Dr. N Kumar	19
Cost changes for our services and Dates for your diary 2014.		20
The 10 Principles of Arya Samaj		21
Matrimonial Advert		22
Notices for Vedic Vivah Service (matrimonial)		23
Vedic Vivah (Matrimonial Get Together)		24
Celebrations of Gayatri Maha Yajna		26
Celebrate Diwali		27
News (पारिवारिक समाचार) and Events		28

For General and Matrimonial Enquiries  
Please Ring  
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)  
Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,  
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm. Bank Holidays - Closed  
Tel. 0121 359 7727

## How Shall We Offer Our Homage?

By Krishan Chopra

कथा दाशेमाग्नये कास्मै देवजुष्टोच्यते भामिनेगीः ।

यो मर्त्येष्वमृत ऋतावा होता यविष्ठ इत्कृणोति देवान् ॥ ऋग्वेद १.७७.१

katha daashemagnye kaasmai devajushtochyate bhaamine geeh |  
yo martyeshuamritam ritaavaa hotaa yajishtha it krinoti devaan ||

Rig 1.77.1

### Meaning in Text Order

Katha = how, deeshemaa = offer our homage, agnaye = the foremost divine Lord, kaa = though which, asmai = this, devajushthaa = preferred by divines, uchyate = recited, bhaamine = refulgent, geeh = speech, yah = who, marteshu = among mortals, amritah = immortal, ritaavaa = observant of truth, hotaa = donor and recipient, yajishthaa = unifier, it = definitely, krinoti = makes, devaan = divine or virtuous.

### Meaning

How shall we offer our homage to God who is our supreme leader and guide? God is refulgent, preferred by divines. He is immortal among perishables whose nature and actions are truthful, who is donor and recipient, inspire people to become divine. We should recite Him with faith and pure heart.

### Contemplation

It is the wish of a true devotee to offer God his utmost devotion. Now the question is raised in this mantra in which form shall we offer our devotion? The rest of the mantra is the answer of this question. It is seen quite often people approach temples with money, gold, silver, flowers, consumable

stuff, fragrance items and sweets to offer their devotion to God. Those who are poor they are unable to afford worldly materials so they approach with spirit of devotion..

But for those who believe that God is formless, has no shape, no image, how are they going to offer their devotion? For them God is the provider of food and riches to the entire world how can we offer Him what He has already gifted us. We accept His divine grace in all form as His gift to us in the form of Prasad... This is all His, by mistake we consider this ours. In true sense our homage is our true devotion from the bottom of our heart. A Hindi poet put these thoughts in the words that I have brought nothing to offer you because I possess nothing, I have brought to offer you my thoughts of true devotion. O Lord! You consider me as stuff of worship; accept me in the form of charity, offerings. I am overwhelmed in your devotion and have come to show you my pure heart. This is what I dedicated to you.

Seers meditate Him in their minds silently, we do not have that quality. So we have to use our speech. The mantra says - let us worship Him through **Devajushtaa** speech Devajushta speech is the sacred mantras of Saam Veda. It is very important to know His entity; He is immortal among the mortals. He is embodiment of truth. At the dawn of creation He donates the entire treasurer of the universe to us and finally at the dissolution everything takes back in His womb. He maintains the balance among the different entities of the universe and sustains balance of different faculties of our body.

Why the devotion of God should be done with mantras from Saam Veda? Because the Saam Veda is collection of all devotional mantras from three Vedas viz Rig Veda, Yajur Veda and Atharva Veda except 99 mantras which are the original mantras of Saam Veda. Therefore Lord Krishna said in Bhagvad Gita, I am Saam Veda among the Vedas. He commands the quality to create the attributes of divinity among the ordinary human beings. Let us worship God with devotional mantras of the Saam Veda with true devotion and pure heart.

## अध्यात्म के शिखर पर-१२

आचार्य डॉ. उमेश यादव

परमेश्वर की उपासना करने से जीवन में सदैव उन्नति का मार्ग खुलता है । इसे दो भागों में बाँटा गया है- सगुण और निर्गुण । इन्हें समझना कोई मुश्किल नहीं है । ईश्वर के सर्वज्ञादि गुणों को ध्यान कर जब हम उपासना करते हैं तब वह सगुण उपासना होती है । इसी तरह ईश्वर, द्वेष, रूप, रस, गन्ध, शब्द, स्पर्शादि गुणों से पृथक् है; ऐसा जान कर ईश्वर का ध्यान करना निर्गुण उपासना है ।

सरल और सीधे शब्दों में अगर भाव समझना है तो ऐसा समझें कि सकारात्मक गुण अर्थात् ईश्वर के जो-जो गुण-कर्म-स्वभाव वेदों में वर्णित हैं, वैसा मानकर उसकी उपासना करना सगुण उपासना है तथा नकारात्मक गुण अर्थात् ईश्वर के जो-जो गुण-कर्म-स्वभाव नहीं हैं, ऐसा जानकर उसकी उपासना करना निर्गुण उपासना है । उदाहरण इस प्रकार समझा जा सकता है-

परमेश्वर सर्वव्यापक, सर्वशक्तिमान, सर्वाधार, सर्वनियन्ता, सर्वरक्षक आदि है, ऐसा ज्ञान के साथ उसकी उपासना सगुण उपासना हुई । ऐसे ही परमेश्वर निराकार, निर्विकार, अजन्मा, अनादि, अद्वेषी आदि है; ऐसा ज्ञान रखकर उसकी उपासना करना निर्गुण उपासना हुई - ऐसा ही महर्षि दयानन्द का विचार है । -  
स.प्र. ७ समुल्लास.

उपासना का फल- नित्य उपासना से उपासक के भीतर पवित्रता बढ़नी शुरू हो जाती है । ईश्वर के गुण-कर्म-स्वभाव के सदृश उपासना से जीवात्मा के गुण-कर्म-स्वभाव में श्रेष्ठता आनी शुरू हो जाती है । जीव के भीतर दुःख,

क्लेश, द्वेष आदि सब नकारात्मक प्रवृत्तियों का नाश होने लगता है और सुख,

प्रेम, आनन्द आदि सब सकारात्मक प्रवृत्तियों की लहर दौड़ने लग जाती है । वस

! उपासक की आध्यात्मिकता यहीं से सार्थक सिद्ध होनी शुरू हो जाती है । यही उपासना की सिद्धि है ।

जसे अग्नि के ताप से शीत/ठण्ड समाप्त हो जाती है इससे मनुष्यादि प्राणी को सुख की प्रतीति होती है , वैसे ही उपासक को भीतर ही भीतर द्वेष आदि क्लेश मिटकर सुखानन्द की अनुभूति होना प्रारम्भ हो जाती है । उपासना की पूर्ण सिद्धि होने पर उपासक मानो समाधि जैसी सिद्धि की अनुभूति करता है अर्थात् योगीवत् होकर जीवात्मा स्वयं को परमेश्वर के प्रति आत्मसात् हुआ सा समझने लगता है । यही कारण है कि योगी की वाणी ईश्वर की वाणी तुल्य प्रामाणिक, अकाट्य, हितकारी तथा सर्वदा परोपकरी मानी जाती है ।

योगी राज श्री कृष्ण ने भी स्व रिस्ते-नाते के मोह से ग्रसित तथा अपने ही लोगों के मारे जाने के भय से भयभीत प्रिय शिष्य अर्जुन को योगमुद्रा में आकर ऐसा ही उपदेश दिया जैसे अर्जुन को लगा कि उसे किसी व्यक्ति/मनुष्य की नहीं बल्कि ईश्वर की वाणी सुनाई पड़ रही है । अर्जुन ने श्री कृष्ण को मानो परमात्मा ही मान लिया और स्वयं को कृष्णार्पण कर ही आत्मज्ञानी बना तथा भीतर समाया हुआ परिवार का मोह भंग कर धर्मार्थ अवश्यंभावी युद्ध हेतु फेंका हुआ गांडीव को फिर से उठा लिया, स्वधर्म को पहचाना और अपने कर्तव्य की सवारी कर लक्ष्य-भेद में सफल रहा । ईश्वरीय उपासना एक प्रकार की ईश्वरार्पण ही है । सच्ची निष्ठा से ईश्वर के प्रति अगर समर्पण हो जाये तब आप धर्म के मार्ग से पृथक् नहीं जा पायेंगे । धर्म के लिये जीयेंगे, धर्म के लिये मरेंगे । अनर्थ, पापाचार, अनाचार, अत्याचार, अन्याय आदि दोषों से सदैव बचा रह मोक्ष-मार्ग के पथिक बनेंगे । आओ, हम सतत् अत्यन्त निष्ठापूर्वक ईश्वरीय उपासना करने का व्रत लें ।

## ओ३म्

“वेद-कथा विवरण” अगस्त २०१४

विषय- श्रीमद्भगवद्गीता का वैदिक दृष्टिकोण

प्रवचन कर्त्ता विद्वान्आचार्य डॉ. उमेश यादव, स्थानीय धर्माचार्य

प्रस्तुत कार्य क्रम १०.०८.२०१४ रविवार श्रावणी उपाकर्म और रक्षावन्धन के पावन पर्व पर साप्ताहिक रविवारीय सत्संग में ही प्रारम्भ हो गया था । दूसरे दिन ११.०८.२०१४ सोमवार से लगातार १६.०८.२०१४ शनिवार तक सायं ७.३० से ९.०० बजे तक उपर्युक्त विषय पर बड़े ही विस्तार पूर्वक वैदिक दृष्टिकोण से वीच-वीच में शंका समाधानों के साथ आदरणीय आचार्य जी का अत्यन्त सरल व रोचक तरीके से प्रवचन होता रहा । इसका समापन आयोजित कार्यक्रम कृष्ण-जन्माष्टमी एवं भारतीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के साथ ही रविवार १७.०८.२०१४ को हुआ ।

श्रीमद्भगवद्गीता महाभारत का लगभग मध्य हिस्सा उद्योग पर्व है । महर्षि वेद व्यास इसके रचयिता हैं । योगीराज कृष्ण द्वारा धर्मयुद्ध क्षेत्र कुरुक्षेत्र में स्वजनों को देख मोह ग्रसित होकर वर्ण-संकर व कुल नाश के भय से भयभीत हो धर्मयुद्ध करने से इन्कार करता हुआ घबराया हुआ गहरा विषाद का शिकार हुआ महा धनुर्धारी अर्जुन को दिया गया उपदेश ही गीतोपदेश है । स्वजन अर्थात्अपने ही दादा भीष्म, गुरु द्रोण, कृपाचार्य आदि विपक्ष में खड़े और स्वपक्ष में खड़े स्व भाइयों, पुत्रों, मामा, श्वसुर, भतीजों आदि को देखकर महायोद्धा जिसने पूर्व कितने ही युद्ध जीत चुका हो, वह धनुर्धर

अर्जुन लड़ने से इन्कार करता हुआ गाण्डीव छोड़ बैठ गया ।

इस महायुध में अर्जुन के सारथी स्वयं आर्यावर्त्त नवनिर्माण की योजना लिये

योगी राज कृष्ण हैं जो अर्जुन के मन की बिमारी समझ जाते हैं और अर्जुन का मोह भंग करने की मुद्रा में हर सम्भव उपदेश करते हैं ताकि अर्जुन पूर्ववत्पुद्गल के लिये पूर्णतया तैयार हो जाये ।

सम्पूर्ण गीता के १८ अध्यायों में तीन मुख्य भाग हैं । कर्म-योग १-६ अध्याय, भक्ति-योग ७-१२ अध्याय और ज्ञान योग १३-१८ अध्याय । प्रथम ६ अध्यायों में कर्म विभाग जैसे कर्म, विकर्म, अकर्म, सकाम, निष्काम, फल, त्याग, ईश्वरार्पण इत्यादि विषयों पर विशदव्याख्या की गयी है । सांख्य शास्त्र= मन, बुद्धि, चित्त, इन्द्रियाँ, शरीर, आत्मा आदि के बारे में विस्तार से बताया गया है । शरीर मरण धर्मा है और आत्मा अमर है- ऐसा बताया गया । योग शास्त्र द्वारा मन को आत्म-केन्द्रित कर ईश्वर युक्त करना आदि अध्यात्म को बताकर अर्जुन को कहा गया है कि धर्म और न्याय की स्थापना हेतु लड़ना क्षत्रिय का स्वधर्म है; जो यही सच्चा धर्म है । ऐसा कहकर अर्जुन को समत्व योग तथा स्थितप्रज्ञ होने का उपदेश दिया । सभी कामनाएं जिसमें आकर शान्त हो जाती हैं वही स्थितप्रज्ञ कहलता है । फिर वह कामनाओं का स्वामी बन जाता है , कामनाओं का दास नहीं । कर्म करते जाना, फल त्याग की भावना कर सततकर्म में लगे रहाना, परोपकारमय जीवन जीना, सद्ज्ञानपूर्वक सुमार्ग पर चलते रहना ही निष्काम कर्म है । जीवन के सुखों का सुदृढ़ आधार ,

यज्ञ, तप, सेवा, परोपकार तथा ईश्वर के प्रति सच्चा अर्पण ही है । उत्तम संस्कार, भक्ति, सच्ची उपासना, निष्काम कर्म निश्चित रूप से जीवन के उत्तम अन्त का मूल आधार हैं । गीता का दूसरे भाग के अध्यायों में भक्ति-प्रधानता ही है । यहाँ योगी राज कृष्ण द्वारा योगावस्था/ ब्रह्मस्थावस्था में आकर ईश्वर का विराट रूप, सृष्टिमय ब्रह्म, एकता में अनेकता और अनेकता में एकता रूप ब्रह्म का विश्व दर्शन कराया गया जिससे मोह भंग होकर अपने सर्वोत्तम गुरु, मित्र व वन्धु रूप कृष्ण के मुख से निकले हर उपदेश पर पूर्ण विश्वास कर अर्जुन युद्ध के लिये तैयार हो गया ।

ज्ञान-विज्ञान की शिक्षा को बढ़ाते हुये श्री कृष्ण ईश्वर का विश्व-दर्शन कराते हैं और अर्जुन भी ध्यानावस्थित होकर परमात्मा के विश्व-रूप की कल्पना करके गीता के तीसरे भाग में प्रस्तुत ज्ञान-योग की संजीवनी से आत्म दृढ़ हो धर्मयुद्ध कुरुक्षेत्र में नीति निपुण महाराज कृष्ण को सारथी बनाकर निर्धारित युद्ध के लिये राजी हो गया ।

शंका-समाधान: १. गीता के प्रथम अध्याय में पिंडोदक क्रिया इसका अर्थ दाना-पानी/ भोजन-पानी आदि है, अर्जुन द्वारा जीवित जनों के लिये कहा गया है न कि मृत लोगों के लिये । इसलिये यहां मृतक श्राद्ध व तर्पण कतई ग्राह्य नहीं है ।

२. कृष्ण द्वारा दिया गया उपदेश शब्द प्रयोग है न कि मुख खोलकर विराट-दर्शन/ विश्व दर्शन है । योगी राज कृष्ण योग की अवस्था में आकर ब्रह्म-ज्ञान बोल रहे हैं और अर्जुन ध्यानावस्थित होकर कृष्ण द्वारा बोले गये ईश्वर-स्वरूप की कल्पना कर रहा है ।

जैसे-जैसे कृष्ण बोलते रहे, अर्जुन ध्यान मग्न होकर दिव्य-दृष्टि से सब बतायी गयी विभूतियों को जानता और अनुभूतियों में कल्पना के आधार पर समझता रहा ।

३. गीता में ईश्वर की उपासना हेतु मूर्ति-पूजा की आवश्यकता नहीं है ।

४. गीता में प्रयुक्त श्लोक “ यदा-यदा हि धर्मस्य, ग्लानि भवति भारत” से ईश्वर का अवतारवाद नहीं सिद्ध होता । यह कृष्ण द्वारा वार-वार जन्म लेकर बढ़े अधर्म को नाश करने तथा धर्म की राष्ट्र में पुनर्स्थापना करने की स्वेच्छा जाहिर की गयी है जो किसी भी राष्ट्र-भक्त को ऐसा बोलने का हक है ।

इस प्रकार सम्पूर्ण गीतोपदेश एक वैदिक उपदेश है जिसे महाराज कृष्ण ने अपने गुरु सान्दीपन मुनि के पास रहकर अध्ययन किया था ।

जैसा कि प्रारम्भ में महाराज धृष्टराज ने संजय से पूछा था -

धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे संवेत्ता युयुत्सवः ।

मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १.१

धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में इकत्रित हुये मेरे और पाण्डु पुत्रों ने क्या किया ?

इसका जबाब ही सम्पूर्ण गीता है जो संजय द्वारा धृतराष्ट्र को सुनाया गया है । अन्त में संजय संवाद का निचोड़ इस श्लोक से बतलाते हैं -

यत्र योगेश्वरः कृष्णः यत्र पार्थो धनुर्धरः ।

तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्धुवानीतिर्मतिर्मम । । १८.अंतिम श्लोक

अर्थात्संजय ने कहा कि महाराज, मुझे तो ऐसा विश्वास है कि युद्ध होकर ही रहेगा और यह निश्चित है कि जिधर योगेश्वर कृष्ण और महा धनुर्धर पार्थ अर्जुन हैं, उनका ही विजय निश्चित है । उनका ही ऐश्वर्य होगा क्योंकि उनका इसमें निश्चित सिद्धान्त/ नीतियां स्पष्ट हैं -ऐसा मेरा निश्चित मत है ।

इस प्रकार लगभग सम्पूर्ण भगवद्गीता का प्रवचन मान्य आचार्य डॉ. उमेश जी ने बड़ी तत्परता के साथ सरल, रोचक व सैद्धान्तिक तरीके से उपर्युक्त निर्धारित तिथियों में प्रस्तुत किया ।

सभी श्रोताओं ने खूब पसन्द किया । वीच-वीच में कभी-कभी कुछ श्रद्धालुओं ने चाय-नास्ते की भी व्यवस्था की । इसके लिये श्री बृज भूषण अगरवाल-परिवार, श्रीमती विभा केल व श्री संजीव महेन्द्रु तथा श्री राजीव दत्ता-परिवार धन्यवाद के पात्र हैं । जब कि १०.०८.१४ रविवार को डॉ. उमेश कथुरिआ-परिवार और १७.०८.१४ रविवार को श्री जोगिन्दर पाल सेठी-परिवार ने ऋषि-लंगर दिया । वेद-

कथा के पहले पांच दिनों तक भारत से आये गीतकार श्री देवाशीष जी ने मधुर भजन सुनाकर सबका मनोरंजन किया ।

कार्यक्रम के अन्त में आर्य समाज के ह्स्टी-प्रधान डॉ. नरेन्द्र कुमार ने सब को सब कार्यक्रमों की सुखद सफलता हेतु हार्दिक धन्यवाद दिया ।

## **Secretary's report for the AGM on 27 July 2014, held at Arya Samaj West Midlands**

Last year has been one of the most difficult years for Arya Samaj West Midlands. With God's grace we have been able to come through it intact. There is always a new dawn after a dark night and hopefully long dark night for Arya Samaj is nearly over and we can look forward to a new beginning. New developments that happened in the last year were to try to bring Arya Samaj to a new footing and to prevent similar scenario happening again. In spite of difficult time Arya Samaj West Midlands continued to be active as before and held various functions and activities as described below.

After last year's AGM, the members of the Executive Committee were voted out and board of trustees were asked to carry out the duties of the ousted executive committee till the new elections were held.

### **Revised constitution:**

There was a general consensus that Arya Samaj's old constitution which had been in operation since its inception was now outdated and inadequate and we needed to revise the constitution to cover all aspects keeping in mind the new developments. New revised constitution was prepared and approved by the board of trustees and presented to the general body in a Special General Meeting on 27<sup>th</sup> October 2013. The new constitution was unanimously passed.

### **Change of Charity status from Unincorporated charity to CIO:**

Following the present events and present experience board of trustees felt that because of its unincorporated status, it is unfair that volunteers who are working for the Arya Samaj should be held legally responsible as individual for the Charity. Legal advice was sought and trustees were advised that charity status of Arya Samaj should be changed either to a CIO status or a Limited company status. After further legal advice and

discussion and advice from some senior members of Arya Samaj, it was decided that our charity should go for a CIO status. This gives significant protection to the volunteers working for the Arya Samaj. To act on that approval from the general body was needed. A Special General Meeting was called on 23<sup>rd</sup> February 2014 to seek approval. The proposal to change the status from unincorporated to a CIO status was unanimously approved by the members. New application was sent to the Charity Commission for the CIO status. I am pleased to say that the Charity commission on 23<sup>rd</sup> April 2014 approved the new application and new charity number is given which is 1156785. Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands is now a charity with a CIO status and a new number. In view of new charity number, old charity was dissolved and all its assets were transferred to the new Charity. The approval for this dissolution and transfer of assets was already pre-approved in the Special General Meeting on 23<sup>rd</sup> February 2014. On 20<sup>th</sup> May 2014 an email from Charity Commission confirmed the removal of our old Charity number from the Register of Charities.

### **New Constitution:**

As the charity's legal status is changed it needed the new constitution to reflect the new status and new entity. The new constitution has to be according to the Charity Commission's guidelines. New constitution was prepared and was approved unanimously by the Special AGM held on 23<sup>rd</sup> February 2014.

### **New elections for the board of Trustees:**

Since the board of trustees who were working after the last AGM were caretaker till the new elections are held, the board decided to go for a fresh mandate and go for new elections for the board of trustees. The elections were held in the Special General Meeting held on 23<sup>rd</sup> February under the new constitution. There were ten candidates for nine posts. In view of this votes were cast. Nine members with highest number of votes were elected. The elected members of the new board of trustees are: Dr Narendra Kumar, Dr Arvind Sharma, Dr Umesh Kathuria, Mr Krishan Chopra, Mr S PGupta, Mr Harish Malhotra, Mr Sanjiv Mahandru Mr Rajiv Dutta & Mr S Joshi.

## **New office bearers:**

In the first meeting of the new board of Trustees the new office bearers were elected, which are as follows: Chairman: Dr Narendra Kumar, secretary: Dr Arvind Sharma, Assistant secretary: Mr Rajiv Dutta and treasurer: Mr Harish Malhotra. Library in charge was given to Mr and Mrs Joshi.

## **HS2:**

As members have been aware that Arya Samaj building is under compulsory purchase order by the department of transport because of new high-speed railway line going next to the building. The bill to enact is going through the parliament and according to the professionals involved in the HS2 development it will be 2016 when this building will be possessed. Dr N Kumar is working with the HS2 officers including Mr Coleman, chartered surveyor and Mr Andrew Cook, registered valuer for the best possible outcome. The best outcome would be if we can get a similar building near the Indian community but so far nothing has been found. Board of trustees will continue working for the best alternative to the present premises.

## **Sponsored Yajmans:**

Total sponsored Yajmans for Sunday havans in last 12 months were 26. There has been drop in the number of sponsored yajmans. This is due to the stormy period Arya Samaj was going through. Since there is now stability, hopefully there would be increase in the number of sponsored yajmans on Sunday havans.

## **Sanaskars performed by AchryaJi:**

Acharyji performed 47sanskars in the community in last 12 months. These include marriage ceremonies, birthdays, general havans and other occasions. Community is becoming more aware of availability of Acharyji's services and there has been steady increase in the number of sanskars in the community. The total donation from community sanskars has been £3422.00, which is a welcome contribution to the Arya Samaj.

### **Independence Day celebrations:**

Arya Samaj celebrated Bharat's Independence Day on 18.08.2013. It was attended by about 150 members and guests. An officer from CGI Birmingham was chief guest. There was usual mix of speeches, songs, poetry and dance performances which were much appreciated.

### **Gayatri Maha Yajna:**

Annual Maha Yajna was held on 8<sup>th</sup> September, which was attended by more than 140 people from about 60 families. It was a well-organised event. Mr Joginder Pal Sethi and family sponsored Rishi Langer. Arya Samaj is thankful to Sethi family for the sponsorship.

### **Special General Meeting;**

Board of Trustees called for the Special general meeting on 27<sup>th</sup> October to pass the revised constitution. It was necessary to make changes to the constitution in view of the developments in previous 12 months. The constitution was unanimously passed.

### **Diwali celebrations and Maharishi Sarswatee's nirwan Diwas:**

The above function was celebrated on 6<sup>th</sup> November. It was attended by more than 150 people. Dance performances were given by the children followed by songs and vote of thanks by the chairman of the board of trustees. All those who attended very well appreciated the function.

### **Republic day celebrations:**

Arya Samaj celebrated Bharat's Republic day celebrations on 2<sup>nd</sup> Feb. 2014 with much enthusiasm. Mr. B.C. Pradhan, head of Chancery, from CGI Birmingham was chief guest. He delivered President's Republic day message and explained about our country's forward march towards prosperity. Celebrations were attended by more than 120 people.

### **Matrimonial get-together:**

Matrimonial get-together was held on 17th May 2014. It was another successful get-together attended by more than forty participants. There was a good feedback and impression was that there have been interests expressed between each other by quite a few participants. There was also highly positive feedback by all the participants with the format of the meeting. Next matrimonial get-together is planned for 7<sup>th</sup> September 2014.

### **Ved Katha Weeks delivered by Acharya Umesh Yadav:**

Arya Samaj has been trying to develop evening sessions on various aspects of Vedic philosophy and part of this development is arrangements of Vedic Katha weeks by Acharyji. Last year three Katha weeks were performed on Vedic subjects. Purusookta of Yajurveda and Yogiraj Shri Krishna Katha from 20<sup>th</sup> August to 28<sup>th</sup> August 2013. Ram Navamee week with Katha on Maryada Purushotam Shree Ram based on Balmeeeki Ramayan was held from 14<sup>th</sup> Oct to 20<sup>th</sup> Oct 2013. Third katha week was held on Ishopanishad from 3rd Feb 2014 to 9<sup>th</sup> Feb 2014. It is our endeavour to continue with this work and to hold further similar workshops for the benefit of our members. The next Shrawani week Katha will be held from 10th to 17th August 2014. In this period we are going to celebrate Raksha Bandhan, Shri Krishna Janamashtmi and Indian Independence Day. We have invited a Bhajnopdeshak from India for this Katha. You are all requested to please come to these workshops and gain from the knowledge parted in these workshops.

The above is the short summary of the events and developments in the last 12 months. It is only a snapshot and by no means the only work done. We could not have done this work without the unquestioned devotion and support from our regular members who have kept this institution alive and active. I would like to take this opportunity to thank all those unsung heroes and hope Arya Samaj will continue getting same enthusiastic support in the future.

**Dr Arvind Sharma (Secretary the Board of Trustees Arya Samaj)**

## Financial Statements for the year ended 310314

	2014		2013
<b>Income</b>			
Donations - other than Bank Cr	£15,959		£22,556
Donations - Bank Cr - Annual	£152		£377
Donations - Bank Cr - Monthly	£0		£1,628
Vedic Marriage Sacrament Activities	£18,665		£31,600
Membership Subscriptions	£1,278		£1,225
Tax Refund - HMRC	£0		£6,554
Hall Hire charges	£0		£2,000
Interest Received	£26		£823
		<b>£36,080</b>	<b>£66,764</b>
<b>LESS</b>			
<b>Expenses</b>			
Aryan Voice Publication	£3,360		£4,035
Bank charges	£66		£8.00
Cleaning, Equipment Maintenance etc.	£1,644.76		£2,443.81
<b>DONATIONS</b>	<b>£0.00</b>		<b>£1,605.00</b>
<b>FOOD &amp; DRINKS</b>	<b>£6,172.00</b>		<b>£8,077.75</b>
<b>HEAT &amp; LIGHT</b>	<b>£4,223.03</b>		<b>£2,438.88</b>
<b>INSURANCE</b>	<b>£1,846.10</b>		<b>£1,882.17</b>
<b>Legal charges</b>	<b>£5,026.20</b>		<b>£13,416.00</b>
<b>MISC EXPENSES</b>	<b>£635.00</b>		<b>£0.00</b>
<b>POSTAGE</b>	<b>£2,114.01</b>		<b>£3,408.34</b>
OUTREACH MISSIONARY WORK EXPENSES			£806
VVM Event Expenses			
Purchases - Havan Material, Misc etc.	£41.38		£241.34
Repairs and Maintenance	£995.44		£1,873.23
Salary and NI	£20,555.31		£26,051.15
Sermons on Radio	£100.00		-£4,800.00
Stationary and Printing	£367.58		£371.66
Telephone	£599.70		£536.04
Travel Expenses			£1,929.75
Water Rates	£968.14		£1,177.47
<b>Depreciation</b>	<b>£1,485</b>		<b>£1,246</b>
<b>Total</b>		<b>£50,199</b>	<b>£66,748</b>
<b>Nett Profit / Income</b>		<b>-£14,120</b>	<b>£16</b>

### Notes to financial Statements for the year ended 310314

Expenses include Provision for all unpaid expenses for the period - calculated on Actual basis

An accrual of £2000 made for Electric expenses for the year ending 310313 has been written back since there does not appear to be any need for that now. The supplier has been changed for last over 2 years and no claim is expected from the old supplier now.

Accrual has been made for aryan Voice printing charges for 3 months (jan to March '14); additional provision of £ 100 has been made for telephone on appx basis.

	2014	2013
<b>Fixed Assets</b>		
Land and Building	£104,964	£104,964
Furniture, Fittings and Equipment	£11,182	£11,749
	£116,146	£116,713
<b>Current Assets</b>		
Cash in Hand	£201	£565
Bank Current Account	£6,303	£22,947
Bank Term Deposit Account	£50,000	£50,000
	£56,505	£73,512
<b>TOTAL</b>	<b>£172,650</b>	<b>£190,225</b>
<b>LESS</b>		
<b>Current Liabilities</b>		
ACCRUALS	£910	£4,366
<b>Total</b>	£910	£4,366
<b>Nett Current ASSETS</b>	<b>£171,740</b>	<b>£185,860</b>
<b>Represented by:</b>		
<b>RESERVES</b>		
Accumulated Funds B/F	£185,860	£185,844
Nett SURPLUS / DEFICIT for the year	<b>-£14,120</b>	<b>£16</b>
<b>Closing Balance</b>	<b>£171,740</b>	<b>£185,860</b>
<b>Approved</b>		
Dr Narendra Kumar President	Dr Arvind Sharma Treasurer	Ashok K Bakshi Independent Examiner

## **AN APPEAL FROM THE CHAIRMAN**

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands is working on the project of opening a Faith Oriented Free school in Birmingham. This School will be based on Vedic Philosophy and will follow National Curriculum and teach students about other prevailing religions in UK. Vedas teach us to be polite, courteous, tolerant and patience to other human beings. These moral values will be passed on to the students of our School. This School will have to provide a high quality education to children.

We are in the process of obtaining permission from the DAV College Managing Committee, New Delhi, India in order to use the name of DAV Academy School.

To start with the proposed School will admit children from 5 to 16 years age group.

This School will be under the guidance of Arya Samaj West Midlands as such. Arya Samaj movement, as founded by Swami Dayanand Saraswati, has been for the education of all human beings including girls.

This is a big project. We need the wholehearted support of our community for this project. This appeal is not just for our membership but whole of our community.

Those of you who can dedicate their time, energy and money please come forward and let us know.

Those of you, who can give moral support please write to us or email us with your name, address including your post code, E-mail address and telephone number.

We have to collect about ten thousands signatures in support of this project. We need to tell the Department of Education, London of your demand and support for such a School in Birmingham. So please get involved in any way you can to achieve our goal. I am writing down the email address and telephone number of Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands for your convenience.

**TEL: 0121 359 7727 E-mail- enquiries@arya-samaj.org**

**Dr. Narendra Kumar (Chairman the Board of Trustees Arya Samaj)**

### **Cost changes for our services**

- Ordinary members of ASWM will start getting reminder letter for renewal of their membership fee of £20 from September 2014
- Hire of our hall £250 for 6 hours.
- Matrimonial service charge has increased to £90 from 1<sup>st</sup> July 2014.
- Marriage Ceremony performed by our priest will be £400.
- Havan performed at home by our priest will be £51

### **Dates for your diary 2014.**

- Gayatri Maha Yajna will be held on Sunday 7th September 2014. (see page 26)
- Matrimonial Get together to be held on Saturday 18th October 2014. (see page 24)
- Diwali celebration on Saturday 8th November 2014. (see page 27)

## **The 10 Principles of Arya Samaj**

1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.
2. God is existent, formless and unchangeable. He is incomparable, omniscient, unborn, endless, just, pure, merciful, beginningless, omnipotent, the support and master of all, omnipresent, unageing, immortal, fearless, eternal, and holy, and the creator of the universe. To him alone is worship due.
3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is the paramount duty of all Aryas to read them, teach and recite them to others and hear them being read.
4. All persons should always be ready to accept the truth and to give up untruth.
5. All our actions should be according to the principles of Dharma, i.e. after differentiating right from wrong.
6. The primary aim of the Arya Samaj is to do good to the whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.
7. All ought to be treated with love, justice, and according to their merits as dictated by Dharma.
8. We should all promote knowledge (vidya) and dispel ignorance (avidya).
9. One should not be content with one's own welfare alone, but should look for one's welfare in the welfare of all.
10. In matters which affect the well-being of all people the individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority; in matters that affect him alone he is free to exercise his human rights

# **VEDIC VIVAH (MATRIMONIAL) SERVICE**

The vedic vivah (matrimonial) service has been running for over 30 years at Arya Samaj (West Midland) with professional members from all over the UK.

**Join today.....**

Application form and information can be found on the website  
[www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)

Or

Call us on  
0121 359 7727

Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,  
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm  
Bank Holidays - Closed

## *Notices for Vedic Vivah Service (matrimonial)*

- Vedic Vivah Mela (Matrimonial gathering) on Saturday 18<sup>th</sup> October 2014. – You can find application form on website or by calling the office.
- Matrimonial service charge has increased to £90 from 1<sup>st</sup> July 2014.
- Please note that Arya Samaj Birmingham and Arya Samaj London are not linked. We both have our **OWN** Matrimonial list and all events are organized **separately**.
- Please note in every issue of Aryan Voice, if anyone that has a \* asterisk at the end of there Job, **ONLY** wants to marry in there own caste. Eg

**B4745 Hindu Brahmin Boy 26 5 ' 7" Chartered Accountancy\*** 

- All members' records have not been changed yet, as we are still waiting on caste forms, please keep checking this information every issue before you call.
- If you would like to add your caste to your record or state if you only want to marry in caste. Please e-mail or call us, so we can update your record.
- Everymonth in matrimonial list please check whole list, as members that have been deleted, may renew again months later and are being missed, as they take there place on the list depending on ref number order.
- Please inform us when your son or daughter is engaged or married, so we can remove their detail from the list.

# **VEDIC VIVAH MELA (Matrimonial Get Together)** **2014**

**Date:** Saturday 18th October 2014

**Venue:** Arya Samaj West Midlands, Erskine Street, Nechells,  
Birmingham B7 4SA (Road Map available on our Website)  
[www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)

**Time:** To be confirmed (but will be a day time event)

**Cost:** £25.00 per applicant. **NO GUESTS**

**Buffet:** Vegetarian meal included with soft drinks (no alcohol will be allowed or served)

## **How will it work?**

We will have registration, welcome drink, light snacks and mingling.

**Speed dating** - Members will meet each other for a period of 3 to 4 minutes, during which you will be able to chat and find out about each other. (If you like the person, make a note of their ref number on the packs given on the day and we will send you there information by email). When the time is up, a bell will sound; you will change partner and repeat the process.

Once the speed dating is over, late lunch will be served and everyone is free to mingle some more before the end of the event.

We will explain the above and other details of the event on the day.

## **What you need to do now?**

This Get-together is strictly for Arya samaj west Midlands registered matrimonial service candidates only. So if you are not registered as yet and wish to benefit from this event where you can meet personally a number of prospective partners hurry up and join. Forms are available on our website [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org). Or tel. 0121 359 7727

This time we have decided to limit the number of participants, so please send your application forms well before the day of the event because it is first come first served basis. (Form can be found on website or by calling the office). **We would also like to have age groups 18-30 30-40 and 40-50, but this can only happen if you put your name down ASAP, if we feel there is not enough of your age group you will get a full refund.** For the smooth running of the event, all the information must be processed and the paper work completed for the participants on their arrival. Applications received after 10th October 2014, would not be entertained. But please do not wait till the last date. It might be too late.

**Sorry at this event we are not allowing guest. If you bring someone with you on the day they will be refused entry.**

Please send application forms and cheques made payable to 'Arya Samaj West Midlands. (**Applicants £25**) with a self addressed stamped envelope to Arya Samaj West Midlands, Erskine Street, Nechells, Birmingham B7 4SA .You will be sent confirmation by post and email. You will have to bring this with you on the day or no entry will be allowed. Regrettably no entry will be available on the day, so please register in advance.. **If you come on the day without an entry confirmation it would be a wasted journey.**

So what are you waiting for? Look no further and think no further! Send in your application forms and cheque today!

**We look forward to welcoming you to the event where you have the prospect of meeting that special SOMEONE!!**

# Celebrations of Gayatri Maha Yajna

On  
Sunday 7th September 2014.

At  
The Arya Samaj Bhawan  
188 Inkerman Street B7 4SA

Time - 11am – 1pm

Gayatri Maha Yajna will be performed in three  
slots, every 45mintues

Followed by  
Vote of thanks by Chairman Dr N Kumar,  
Aarti and Shanti path,  
Rishi Langar Sponsored by  
Mrs Saroj Adlakha

For further information call  
0121 359 7727

E-mail- [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org)  
Website: [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)



## **Celebrate Diwali**

**At  
The Arya Samaj Bhawan  
188 Inkerman Street**

**On  
Saturday 8th November 2014**

**6.30pm  
Havan followed by an  
Evening of Dinner (Vegetarian) & Dance  
(Classical and non classical)  
And  
Sangeet and Gazals**

**Tickets £20 per person**

**To book or for further information call  
0121 359 7727**

## **News and Events**

### **Condolence:**

- To Mr Prem Kharbandha for the loss of his beloved wife Mrs Kanta Kharbanda. May God grant the eternal peace to the departed soul and strength towards every member of this family & relatives to bear the time sorrow.
- To Mr Gyan Chand Farmah for the loss of his respected mother-in-law Mrs Karam Kaur m/o Mrs Urmila Farmah. We pray to the Almighty to grant the eternal peace to the departed soul and strength to every member of this family and relatives to bear the time of sorrow.

### **Congratulations:**

- Dr R.K. Khanna (Lancaster) & Mrs Khanna for wedding of their daughter Aarti with Gurpareet held on 19.07.2014.
- Mr Ashok Kumar Pandey and Mrs Pandey for their son Dinesh's wedding with Rachna held on 09.08.2014.
- Mr B.B.Sharma and Mrs G. Sharma for their son Rahul's wedding with Priya held on 09.08.2014.
- Mr Ramesh Aggarwal and Mrs Swaran Aggarwal for their daughter Anju's wedding with Mr Mathuie Labbat held on 16.08.2014.
- Dr. Umesh Kathuria and family for birthday celebration of Dr. Umesh Kathuria.

## **Thanks to Yajmans who sponsored Rishi- Langar and havans in Sunday-Satsangs of Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands, Birmingham.**

- Mr Sanjeev Mahandru one of Trustees on 27.07.2014
- Mrs Vimla Dodd and family on 03.08.2014 for good health, prosperities & happiness in family.
- Dr Umesh Kathuria and family on 10.08.2014 for birthday celebration of Dr. Umesh Kathuria.
- Mr Joginder Pal Sethi and family on 17.08.2014 for prosperity and happiness in family.

### **Donations to Arya Samaj West Midlands**

- |  |      |
|--|------|
| • Mr Krishan k. Laroia   | £51  |
| • Mrs Asha Verma   | £ 5  |
| • Anonymous  | £5   |
| • Mrs Vimla Dodd   | £166 |
| • Mrs Saroj Adlakha  | £500 |
| for sponsoring Rishi Langar of Gayatri Maha Yajna on<br>7 <sup>TH</sup> September 2014 |      |
| • Mr V.P. Rawal  | £30  |
| • Mr D. Soni   | £21  |
| • Mr Sanjiv Mahandru   | £201 |

- Dr U Kathuria £101
- Mrs Asha Verma £5
- Mrs N Ghaie £ 251
- Mrs Subhash Kathuria £11
- Mr B. Hagat Singh Tank £20
- Mr Sunil Sethi £21
- Mr K.K. Sethi £11
- Mr P Nanda £20
- Miss C.P. Snatak £15
- Mr H Dutta £20
- Mr K.K. Laroia £21
- Mrs Usha Sood £5
- Mr J. P. Sethi £526

**Donations to Arya Samaj WM through the Priest – services**

- DR R.K. Khanna £250  
for wedding
- Mr. Ashok Pandey £51  
for havan before wedding at house.
- Mr B.B. Sharma £50  
for havan before wedding at house.
- Mrs Anju Aggarwal £400  
for wedding

**Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on  
0121 359 7727  
for more information on**

- **Member or non member wishing to be a Yajman in the Sunday congregation to celebrate an occasion or to remember a departed dear one.**
- **Have Havan, sankars, naming, munden, weddings and Ved Path etc performed at home.**
- **Our premises are licensed for the civil marriage ceremony.**
- **Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yoga and Pranayam. Hot vegetarian Lunch is provided at 1pm.**
- **Ved Prachar by our learned Priest Dr Umesh Yadav on Radio XL 7 to 8 am, first Sunday of the month. Next 7th September 2014 and 5th October 2014.**

**Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.**

*0121 359 7727*

E-mail- [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org)

Website: [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)